न्यायावतारवार्तिकवृत्ति (फोल्डर नं. 1047)

મુખ્ય ટાઈટલ

ग्रन्थानुक्रमणिका	1-7
संकेत परिचय	8-10
बाबू श्री बहादुरसिंहजी - स्मरणाञ्जलि	11-18
ग्रन्थमाला संपादकके 'कुछ प्रास्ताविक विचार'	19-24
पं. श्री सुखलालजीका 'आदिवाक्य'	25-27
संपादकीय वक्तव्य	28-31
प्रस्तावना	1-102
1- आगमयुगका जैनदर्शन	1-102
प्रमेयतत्त्व	1-56
प्रमाणतत्त्व	56-82
जैन आगमोंमें वाद और वादविद्या	82-102
2- आगमोत्तरसाहित्यमें जैनदर्शन	103-141
(अ) वाचक उमास्वातिकी देन	103
प्रमेयनिरूपण	104
प्रमाणनिरूपण	110
नयनिरूपण	115
(ब) आचार्य कुन्दकुन्दकी जैनदर्शनको देन	117
प्रमेयनिरूपण	119
प्रमाण चर्चा	134
नयनिरूपण	139
3- आचार्य सिद्धसेन	141
4- वार्तिकके कर्ता	145
5- शान्त्याचार्य और उनका समय	146
न्यायावतारसूत्रम्	1-4
न्यायावतारसूत्रवार्तिकम्	5-10
सामान्यलक्षणपरिच्छेदः	5-6
प्रत्यक्षपरिच्छेदः	6-8
अनुमानपरिच्छेदः	8-10,95
आगमपरिच्छेदः	10,109-122
न्यायावतारसूत्रवार्तिकवृत्तिः	11-122
सामान्यलक्षणपरिच्छेदः	11-59
प्रत्यक्षपरिच्छेदः	60-95
अनुमानपरिच्छेदः	95-108

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

आगमपरिच्छेदः 109-122
टिप्पणानि 125-286
परिशिष्ट 287-332
1- न्यायावतारकी तुलना 287
2- न्यायावतारसूत्रवार्तिक तुलना 297
3- न्यायावतारसूत्रकारिका सूची 299
4- न्यायावतारसूत्रशब्दसूची 300
5- न्यायावतारसूत्रवार्तिककारिकासूची 301
6- न्यायावतारसूत्रवार्तिकशब्दसूची 302
7- न्यायावतारवार्तिकवृत्तिगतानां वाद-वादि-ग्रन्थ-ग्रन्थकाराणां सूची 304
8- न्यायावतारवार्तिकवृत्तिगतानां शब्दानां सूची 305
9- न्याया. वृत्तिगतानामवतरणानां स्वोपज्ञकारिकाणां च सूची 314
10- टिप्पणगत वाद और वादी 319
11- टिप्पणगत ग्रन्थकार 321
12- टिप्पणगत ग्रन्थ 323
13- टिप्पणगत शब्दों और विषयोंकी सूची 327

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org